आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 195 | उज्जैन, शुक्रवार 06 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने वाल्मिकी धाम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार को गंगा दशहरा के पर्व पर वाल्मिकी धाम से क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यात्रा के पूर्व वाल्मिकी धाम परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सिंदूर और त्रिवेणी-नीम, पीपल और बरगद के पौधों का रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से अपील की कि अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाल्मिकी धाम में अनंत श्री विभूषित 1008 स्वामी सोहन दास जी महाराज की समाधि पर पुष्प अर्पित किये और मंदिर मे दर्शन किये। उन्होंने संत-जनों से सौजन्य भेंट की और यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं से भी मिले। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि आज का दिन अत्यंत शुभ दिन है। माँ क्षिप्रा से प्रार्थना है कि वे हमारे द्वारा किए गए पूजन अर्चन और परिक्रमा यात्रा को सफल बनाए और सबका कल्याण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी ओर से सभी को गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और अन्य सभी श्रद्धालुओं का यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर बनाए गए मंचों से पुष्प-वर्षा कर स्वागत कियागया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर पेयजल और शीतल पेय तथा फलों का निःशुल्क वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने वाल्मिकी धाम से रामघाट तक क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में ध्वज लेकर पैदल यात्रा की। इस दौरान सांसद बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज, प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा के कार्यकारिणी अध्यक्ष महंत रामेश्वर दास जी, महामंडलेश्वर भगवत शरण जी (भगवान बापू, महंत भगवान दास जी, महंत श्याम गिरी जी महाराज, महंत कृष्ण गिरी जी महाराज, महंत प्रणवानंद जी महाराज, महंत एकनाथ जी, महंत महावीर नाथ जी, श्री संजय अग्रवाल, श्री नारायण यादव, श्री वैभव यादव, एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नॉर्थ-ईस्ट में बाढ़ और भूस्खलन की भयावह तस्वीर, अब तक 50 लोगों की मौत; 1500 गांव जलमग्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची है। असम से लेकर मणिपुर तक लोगों की जानें जा रही हैं, फसल की जमीन बर्बाद हो गई है और लोगों के पास रहने को घर तक नहीं है।

असम में अब तक 19 मौत- असम की बात करें तो राज्य सरकार का कहना है कि अभी तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। 14 लोगों ने बाढ़ की वजह से जान गंवाई है और 5 लोगों की मौत भूस्खलन की चपेट में आने से हुई है। असम के मोरीगांव जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और जिले के 101 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ और भूस्खलन की वजह से असम और अरुणाचल प्रदेश में स्थिति बेहद खराब है। हालांकि, बुधवार को स्थिति में मामूली सुधार देखने को मिला, लेकिन हालात बहुत ज्यादा नहीं बदले हैं। बारिश में कुछ हद तक कमी जरूर देखी गई, लेकिन पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में रात भर बारिश होती रही।

कहां कितनी मौत हुई- सिक्कम समेत सात पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 50 हो गई है। 29 मई से अब तक अकेले असम में 19 लोगों की जान गई है।

भारत ने मुस्लिम देशों के सामने खोला पाकिस्तान का कच्चा चिट्ठा, श्रीकांत शिंदे बोले- हमने सबूतों के साथ किया भंडाफोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओआईसी के सदस्य देशों के बीच पाकिस्तानी प्रोपेगंडा का भंडाफोड़ हो गया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने मिशन पाक बेनकाब के तहत सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में सर्वदलीय सांसदों को विदेशों के दौरे पर भेजा था।

शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने अब पाकिस्तान की हरकतों का ब्योरा सबके सामने रख दिया है। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तानी एजेंडो को ध्वस्त करने में सफलता प्राप्त की है। श्रीकांत शिंदे ने कहा, विशेष रूप से इस्लामिक सम्मेलन संगठन (ओआईसी) के सदस्य देशों के बीच, जहां इस्लामाबाद ने सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के बाद सहायता मांगी थी।

आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस का संदेश- ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के वैश्विक आउटरीच प्रयासों के हिस्से के रूप में UAE और पश्चिम अफ्रीकी देशों में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले शिंदे ने कहा कि इस अनूठी पहल ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के भारत के संदेश को उन देशों में जोरदार तरीके से व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।

भारत में बनेगी राफेल की रीढ़, डसॉल्ट और टाटा के बीच बड़ा समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की एअयरोस्पेस की ताकत के लिए 05 जून 2025 का दिन बेहद खास रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि आज फ्रांस की डिफेंस और एविएशन कंपनी डसॉल्ट एविशन तथा भारत की एअरोस्पेस कंपनी टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड ने राफेल फाइटर जेट के फ्यूजलेस (मुख्य ढांचे) को भारत में बनाने के करार पर समझौता किया है।

इस समझौता के तहत आने वाले समय में राफेल का फाइटर जेट का फ्यूजलेज भारत में बनाया जाएगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि फ्यूजलेज लाड़ाकू विमान का मुख्य हिस्सा है, जिससे विमान के अन्य कई महत्वपूर्ण हिस्से जुड़े रहते हैं। इस समझौते को लेकर एक प्रेस विज्ञप्ति भी सामने आई है। इस विज्ञप्ति के अनुसार, डसॉल्ट एविएशन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने भारत में राफेल लड़ाकू विमान के धड़ के निर्माण के लिए चार उत्पादन हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो देश की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जानकारी दें कि ये पहली बार होगा जब राफेल फाइटर विमान का ढांचा फ्रांस से बाहर भारत में बनाया जाएगा। इस फैसले को भारत के मेक इन इंडिया के मिशन की दिशा में एक शानदार और सफल कदम बताया जा रहा है।

अब ट्रेन का तत्काल टिकट बुक करना होगा आसान, AI करेगा मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग में हो रही धांधली को कंट्रोल करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। IRCTC वेबसाइट पर तत्काल टिकट बुकिंग कराने के लिए लोग रोजाना परेशान होते हैं। सुबह-सुबह जब लोग टिकट बुक करते थे तो वेबसाइट हैंग होने की समस्या सामने आती है।

यहां तक की कई बार धीमी स्पीड और बॉट्स की वजह से टिकट वेटिंग में ही रह जाती है। अब इस परेशानी को खत्म करने के लिए रेलवे मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है।

क्या है भारतीय रेलवे का नया फैसला- बता दें कि भारतीय रेलवे जल्द ही ई आधार ऑथेंकिटेशन सिस्टम शुरू करेगा। इससे रेलवे में टिकट को लेकर चल रहे फर्जीवाड़े को खत्म कर दिया जाएगा।इससे केवल जरूरत मंद और असली यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल पाएगा। यात्रियों को आधार से अपना मोबाइल नंबर लिंक कराना होगा। इसके बाद टिकट बुक करते समय मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। ओटीपी को IRCTC वेबसाइट पर डालकर वेरिफेकेशन पूरा करना होगा। इसके बाद यूजर्स को टिकट बुक करने की सुविधा मिल जाएगी।

अब दलालों पर लगेगी रोक- एजेंट IRCTC प्लेटफॉर्म पर 50 प्रोफाइल बनाने के लिए कई बेकार ईमेल आईडी का इस्तेमाल करते हैं अगर यूजर आईडी या प्रोफाइल बनाते वक्त, ईमेल आईडी पर एक ओटीपी भेजा जाता है और एजेंट उस ओटीपी का इस्तेमाल करके वेरिफाइ करता है।

IHM अस्पताल में फूड पाइजनिंग से 90 से ज्यादा मरीजों की बिगड़ी तबियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल में फूड पॉइजनिंग का मामाला तूल पकड़ रहा है। अब इस अस्पताल में फूड पॉइजनिंग से 90 से ज्यादा मरीजों के बीमार होने की बात सामने आई है। वहीं एक मरीज की मौत हो गई है। इसके बाद तेलंगाना सरकार तुरंत एक्शन में आई और डाइट कॉन्ट्रैक्ट को रद्द करने का आदेश दिया। IMH के अधीक्षक के अनुसार, 92 लोग संदिग्ध फूड पॉइजनिंग के कारण प्रभावित हुए। इनमें से 18 को बेहतर देखभाल के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली मंत्रिपरिषद मीटिंग, पीएम मोदी ने बैठक में स्वदेशी हथियारों की ताकत पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि स्वदेशी हथियारों ने इस आपरेशन में अपनी ताकत एवं क्षमता साबित की और यह दिखाया कि वे किसी से कम नहीं हैं।

इस बैठक में रणनीतिक एजेंडे की रूपरेखा तय की गई- इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा, जल नीति और जन-सम्पर्क सहित सरकार के तात्कालिक और दीर्घकालिक रणनीतिक एजेंडे की रूपरेखा तय की गई।

पीएम मोदी ने दिया यह आदेश- बुधवार को मोदी ने बैठक में मंत्रिपरिषद से ऊंचे लक्ष्य रखने और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तेजी से काम करने को कहा। इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर पर एक प्रस्तुति भी दी गई।

सूत्रों ने बताया कि इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि आपरेशन के दौरान उसे भारी नुकसान हुआ है। विभिन्न मंत्रालयों की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति भी दी गई।

राजनाथ सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए- नौ जून से मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोहों के दौरान वे अपनी पांच मुख्य सफलताओं को जनता के बीच उजागर करने के लिए पहुंचेंगे।

सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सत्र की शुरुआत की। इसके बाद चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने इसके क्रियान्वयन और रणनीतिक प्रभाव पर एक व्यापक प्रस्तुति दी।

बैठक में विकास परियोजनाओं से जुड़े अहम मुद्दों की भी समीक्षा की गई- बैठक में सरकार ने विकास परियोजनाओं से जुड़े अहम मुद्दों की भी समीक्षा की। जल शक्ति मंत्रालय ने भारत की जल प्रबंधन रणनीति पर विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें सिंधु जल संधि और अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी भी शामिल थी।

कौन है ISI की मैडम UN, दिल्ली तक फैला रखा है जासूसों का नेटवर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद देश में कई ऐसे लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जो देश की खुफिया जानकारी पाकिस्तान से शेयर कर रहे थे। यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बाद पुलिस ने जसबीर सिंह नाम के एक और यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है।

दोनों पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है। भारतीय सुरक्षा एजेंसी लगातार उन लोगों की तलाश में जुटी है जो पाकिस्तान की इंटेलिजेंस एजेंसी के साथ जुड़े हैं।

इसी बीच पाकिस्तान की एक बिजनेस वुमन की काफी चर्चा हो रही है, जो लाहौर में एक ट्रेवल एजेंसी चलाती हैं। नोशाबा शहजाद नामक इस महिला ने ज्योति मल्होत्रा समेत भारत के उन यूट्यूबर्स की मदद की जो पाकिस्तान जाना चाहते थे। इसके बाद महिला ने भारतीय यूट्यूबर्स को जासूसी के खेल में फंसाया।

मैडम एन के नाम से थी मशहूर - महिला लाहौर में जयाना ट्रैवल एंड टूरिज्म नामक कंपनी चलाती है। आईएसआई ने नोशाबा शहजाद का कोड नैम मैडम एन रखा था। उसने कम से कम 500 जासूसों का एक विशाल स्लीपर सेल नेटवर्क तैयार कर रखा है, जो पूरे भारत में छिपे हो सकते हैं।

शहजादा के पति पाकिस्तानी सिविल सेवा के रिटायर अधिकारी हैं। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने उन्हें भारत में स्लीपर सेल नेटवर्क स्थापित करने के निर्देश भेजे थे।

जिसे वो चाहती उसे पाकिस्तान का वीजा मिल जाता- शहजाद की पहुंची दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास तक थी। सूत्रों ने बताया कि वह प्रथम सचिव (वीजा) सुहैल कमर और काउंसलर (व्यापार) उमर शेरयार के संपर्क में थी, जिसका मतलब था कि वह जिसे चाहती थी उसे तुरंत एक फोन कॉल पर पाकिस्तानी वीजा मिल जाता था।

वो पाकिस्तान पहुंचे भारतीय यूट्यूबर्स की मुलाकात देश के सेन्य और आईएसआई अधिकारियों से करवाती थी। उसने हजारों की तादाद में हिंदुओं और सिखों को पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया। पिछले छह महीनों में उसने भारत के लगभग 3,000 नागरिकों और 1,500 अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) को पाकिस्तान आने में मदद की।

दानिश के संपर्क में थी नोशाबा- वह आईएसआई के ऑपरेटिव दानिश उर्फ एहसान-उर-रहमान के संपर्क में भी थी, जो दिल्ली में पाकिस्तानी दूतावास में वीजा अधिकारी के तौर पर काम करता था। ज्योति मल्होत्रा के खुलासे के बाद दानिश को मई में भारत से निकाल दिया गया था।

पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के साथ नोशाबा शहजाद का इतना मजबूत रिश्ता था उसकी कंपनी एकमात्र एजेंसी है जो पाकिस्तान में सिख और हिंदू तीर्थयात्रा का आयोजन करती है।

पहले भारतीय सेना ने चटाई धूल, अब डिप्लोमैटिक मोर्चे पर भी पस्त हो रहा पाकिस्तान; दुनिया ने माना आतंकवाद का गढ़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत स्ट्राइक की थी। भारत की स्ट्राइक से बौखलाए पाकिस्तान ने हवाई हमले की कोशिश की, लेकिन भारत के मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने उसकी उम्मीदों को मिट्टी में मिला दिया।

सैन्य मौर्चे पर मुंह की खाने के बाद अब पाकिस्तान ने भारत की नकल करते हुए दुनिया में अपने संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजा। लेकिन अब कूटनीति के मोर्चे पर भी पाकिस्तान बुरी तरह फेल हो गया है। पाकिस्तान का एक प्रतिनिधिमंडल न्यूयॉर्क, वाशिंगटन डीसी, लंदन और ब्रुसेल्स की यात्रा पर है, जबकि दूसरे डेलिगेशन को रूस भेजा गया है।

मलेशिया में पाकिस्तान की बेइज्जती- जब पूरी दुनिया ने आतंकवाद के खिलाफ एक सुर में बोलना शुरू किया और भारत की कार्रवाई को सराहा, तो पाकिस्तान बुरी तरह बौखला गया। उसने धर्म का सहारा लेने की कोशिश की, लेकिन इसमें भी वह सफल नहीं हो पाया। पाकिस्तान ने मलेशिया में इस्लामिक एकजुटता का हवाला देकर भारत के कार्यक्रम को रद करने की कोशिश की। लेकिन उसकी एक न चली और भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने मलेशिया में पाकिस्तान के हर करतूत की एक-एक कर पोल खोली। जेडीयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में भाजपा, कांग्रेस, सीपीएम, टीएमसी और दूसरी पार्टियों वाले डेलिगेशन ने पाकिस्तान को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया।

भारत से हर मोर्चे पर मात खाने के बाद पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय पटल समर्थन जुटाने की कोशिश की, लेकिन उसे इसमें भी सफलता नहीं मिल पाई।

देश की सेवा करने आया हूं... शशि थरूर ने कांग्रेस को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पार्टी में अपने विरोध में उठ रही आवाजों पर पहली बार प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रहित में काम करना एंटी पार्टी एक्टिविटी है, तो ऐसे आरोप लगाने वालों को खुद से ही सवाल करना चाहिए।

दरअसल थरूर इस वक्त सर्वदलीय डेलिगेशन के साथ अमेरिका में हैं। यह डेलिगेशन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख रखने के लिए वहां पहुंचा है। जब केंद्र सरकार ने डेलिगेशन के लिए शशि थरूर का नाम लिस्ट में शामिल किया था, तब से ही कांग्रेस में इस पर आपत्ति शुरू हो गई थी।

शशि थरूर के बयानों पर कई कांग्रेसी नेताओं ने आपत्ति जताई थी और उन्हें सरकार का सुपर प्रवक्ता करार दे दिया गया था। अपने विरोध में उठ रहे स्वर का शशि थरूर ने बेहद सधे लफ्जों में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई देश की सेवा कर रहा हो, तो उसे इन बातों से फर्क नहीं पड़ना चाहिए। थरूर ने कहा कि जिस किसी को भी लगता है कि देश हित में काम करना एंटी पार्टी एक्टिविटी का हिस्सा है, तो उसे खुद से सवाल करने की जरूरत है।

भारत से बातचीत के लिए तरस रहा पाकिस्तान, ट्रंप से गिड़गिड़ा कर बोले शहबाज शरीफ- मदद करो

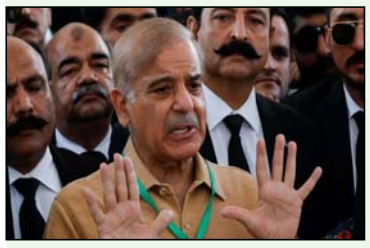

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भीख के पैसों पर चल रही है, ये तो पूरी दुनिया को पता है। लेकिन भीख मांगने की पाकिस्तान की ऐसी आदत है कि जाती नहीं। कभी पैसे के लिए, कभी रिसोर्स के लिए तो कभी दाना-पानी के लिए, पाकिस्तान दुनिया के आगे हाथ फैलाने से कतई परहेज नहीं करता।

अब शहबाज शरीफ ने एक बार फिर अमेरिका के सामने हाथ फैलाया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गिड़गिड़ा कर भारत के साथ बातचीत कराने का आग्रह किया है। दरअसल भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि उसके साथ तब तक कोई बातचीत नहीं होगी, जब तक वह आतंकवाद को समाप्त न कर दे।

अमेरिका को क्रेडिट देता है पाकिस्तान- इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहबाज शरीफ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारत के साथ तनाव को कम करने के लिए डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया। शरीफ ने ट्रंप से भारत के साथ बातचीत को सुगम बनाने का आह्वान भी किया। हालांकि भारत का स्पष्ट मत है कि बातचीत में कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं होगा।

राहत पैकेज लेकर गाजा जा रहा जहाज, पहुंचने से पहले ही ग्रेटा थनबर्ग को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने गाजा में किसी भी मानवीय सहायता पर पिछले 3 महीने से रोक लगाई हुई है। संयुक्त राष्ट्र और दूसरे संगठन भले ही इसे मानवीय सिद्धांतों का उल्लंघन बता रहे हों, लेकिन इजरायल अपने रुख पर अडिग है। इजरायल का मानना है कि मानवीय सहायता के जरिए हमास तक मदद पहुंच सकती है।

इस बीच 12 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं का एक दल मैडलीन नामक जहाज पर सवार होकर गाजा की ओर निकला है। यह जहाज फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन का है, जो गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए जा रहा है। जहाज पर दूध, प्रोटीन बार, बेबी फॉर्मूला, डायपर, आटा, चावल, वाटर फिल्टर, हाइजीन प्रोडक्ट और चिकित्सा उपकरण रखे गए हैं।

इजरायल नहीं देगा जहाज को एंट्री- इस जहाज की मूवमेंट पर इजरायल नजर बनाए हुआ है। इजरायली डिफेंस फोर्स ने कहा है कि वह जहाज को रोकने के लिए तैयार है। दरअसल गाजा में एंट्री के रूट को इजरायल ने पूरी तरह से ब्लॉक किया हुआ है। इजरायल ने साफ कर दिया है कि वह जहाज से आ रही सहायता को गाजा तक नहीं पहुंचने देगा।

इस जहाज की सबसे ज्यादा चर्चा इसलिए हो रही है, क्योंकि इस पर 22 वर्षीय स्वीडिश क्लाइमेट एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग और गेम ऑफ थ्रोन्स के अभिनेता लियाम कनिंघम भी सवार हैं। हालांकि इजरायल ने अभी तक ये नहीं बताया है कि वह सहायता लेकर आ रहे लोगों पर क्या कार्रवाई करेगा।

जहाज पर सवार ग्रेटा थनबर्ग की फिलिस्तीनी झंडे के साथ तस्वीरें काफी वायरल हो रही हैं। जहार पर सवार होने से पहले थनबर्ग ने कहा था कि हमें कोशिश करते रहना चाहिए, क्योंकि जैसे ही हम कोशिश बंद करते हैं, हम मानवता खो देते हैं।

क्या फिर से शुरू होगा युद्ध? दो इजराइली-अमेरिकी बंधकों के शव मिलने से गाजा में मची हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल ने दक्षिणी गाजा शहर खान यूनिस से दो इजराइली- अमेरिकी बंधकों के शव बरामद किए हैं। उन्हें हमास ने सात अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान बंधक बना लिया था।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि सेना और शिन बेट आंतरिक सुरक्षा एजेंसी द्वारा विशेष अभियान में जूडिथ वेनस्टीन और गाद हाग्गई के अवशेष बरामद किए गए और उन्हें इजराइल भेज दिया गया। इजरायल के सभी नागरिकों के साथ मैं उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

किबुत्ज नीर ओज ने दिसंबर 2023 में 70 वर्षीय वेनस्टीन और 72 वर्षीय हाग्गई की मृत्यु की घोषणा की थी। दोनों के पास इजरायली और अमेरिकी नागरिकता थी। वेनस्टीन एक कनाडाई नागरिक भी थे।

इजरायली हमलों में तीन स्थानीय पत्रकार सहित 13 लोग मारे गए - वहीं, स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, रात के समय और गुरुवार को इजरायली हमलों में तीन स्थानीय पत्रकार सहित 13 लोग मारे गए। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये हमले बंधकों के शव के रिकवरी मिशन से संबंधित तो नहीं थे।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शहर में अल-अहली अस्पताल प्रांगण में हुए हमले में तीन स्थानीय पत्रकार मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। इजरायली सेना ने कहा कि वह अल-अहली में रिपोर्ट की जांच कर रही है।

रात के अंधेरे में रूस ने ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से किया हमला, जेलेंस्की का बड़ा दावा; दुनियाभर से की ये अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि रूस ने बुधवार की रात चेर्निहिव क्षेत्र के प्रिलुकी पर ड्रोन से हमला किया था।

कितने बच्चों की हुई मौत- उन्होंने कहा कि इस हमले में कई लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल भी हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया कि इस ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की पत्नी, बेटी और एक वर्षीय पोते की मौत हुई है। पूर्ण पैमाने पर युद्ध शुरू होने के बाद यह 632वें बच्चे की मौत हुई है। मारे गए लोगों के परिवार वालों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि रूस द्वारा हमला करना लगातार जारी है। उन्होंने कहा, दुनियाभर से जब रूस को निंदा या दबाव नहीं मिलता है, तो वह फिर से हत्या करना जारी कर देता है।

कहां-कहां हुए हमले- जेलेंस्की ने बताया कि रात भर में यूक्रेन पर 103 ड्रोन और एक बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया गया। इन हमलों में डोनेट्स्क, खार्किवस ओडेसा, सुमी, चेर्निहिव, दिनप्रो और खेरसॉन क्षेत्र को निशाना बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि यह आतंकवादियों द्वारा किया गया एक और बड़ा हमला था। रूसी आतंकवादी जो हर रात हमारे लोगों को मारते हैं, इन पर प्रतिबंध लगाने और एक साथ दबाव डालने का एक और कारण है।

जेलेंस्की की अपील- जेलेंस्की ने अपील करते हुए कहा, हम संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और दुनिया के हर व्यक्ति से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, जो वास्तव में इन भयानक परिस्थितियों को बदलने में मदद कर सकते हैं।

कौन हैं महुआ मोइत्रा के पहले पति और पिनाकी मिश्रा की पहली पत्नी? रोचक रही है इस रिश्ते की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने जर्मनी में शादी रचा ली है। उन्होंने बीजेडी के पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा से शादी रचाई है। दोनों ने गुपचुप तरीके से शादी की। जानकारी के अनुसार, दोनों 3 मई को विवाह के बंधन में बंधे थे।

दोनों की शादी की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वायरल हो रही तस्वीरों में महुआ और पिनाकी को एक दूसरे का हाथ पकड़े देखा जा सकता है। हालांकि, शादी को लेकर दोनों दिग्गजों ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। इस बीच लोगों के मन में सवाल है कि महुआ मोइत्रा के पहले पति कौन हैं और पिनाकी मिश्रा की पहली पत्नी कौन रहीं?

महुआ मोइत्रा की दूसरी शादी की खबर सामने आने के बाद लोगों के मन में सवाल है कि उनके पहले पति कौन रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीएमसी सांसद मोइत्रा की पहली शादी लार्स ब्रोरसन से हुई थी। लार्स ब्रोरसन एक फाइनैंसर है। बताया जाता है कि मूल रूप से वह डेनमार्क के रहने वाले हैं।

आप किसी की धार्मिक भावनाओं को... शर्मिष्ठा पनोली को कलकत्ता HC ने इन दो शर्तों के साथ दी जमानत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को सांप्रदायिक वीडियो पोस्ट करने के मामले में जमानत दे दी है। जस्टिस राजा बसु ने अपना फैसला सुनाते हुए उन्हें राहत दी। हालांकि, कोर्ट ने शर्मिष्ठा को दो बड़े शर्तें के साथ जमानत दी है।

कोर्ट ने शर्मिष्ठा को देश छोड़ने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि शर्मिष्ठा बिना मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अनुमति के देश से बाहर नहीं जा सकतीं। वहीं अदालत ने उन्हें 10 हजार रुपये के जमानत बॉन्ड भरने का भी निर्देश दिया है।

शर्मिष्ठा की सुरक्षा को लेकर कोर्ट चिंतित

इसके अलावा कोर्ट ने कलकात्ता पुलिस को शर्मिष्ठा की सुरक्षा को लेकर दर्ज की गई शिकायत के आधार पर उचित कार्रवाई करने की बात भी कही है। शर्मिष्ठा ने कोर्ट को बताया कि सोशल मीडिया पर उसे धमकियां भी दी जा रही है।

कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी पर क्या कहा- सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि हमें अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता है। इसका मतलब ये नहीं कि आप किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं। किसी भी व्यक्ति को ऐसी टिप्पणी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि हमारे देश में विभिन्न समुदाय जाति और धर्म के लोग साथ में रहते हैं।

पतंजलि सामाजिक पहलों से ग्रामीण भारत को कर रहा सशक्त, लाखों लोगों की जिंदगी में हो रहा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले लगभग 2 दशकों में पतंजलि आयुर्वेद सिर्फ एक हेल्थ और वैलनेस ब्रांड ही नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत में बदलाव का एक सशक्त माध्यम बनकर सामने आया है। साल 2006 में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में बनाये गए पतंजलि ने स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, जैविक खेती और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे कई क्षेत्रों में ग्रामीण भारत की दिशा बदलने का काम किया है। यूं तो यह एक आयुर्वेदिक ब्रांड है लेकिन इन्होंने भारत देश के विकास के लिए कई महत्त्वपूर्ण काम किये हैं जिससे न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण विकास को भी नयी दिशा मिली है। आइये जानते हैं कैसे पतंजलि अपनी सामाजिक पहलों से ग्रामीण भारत को सशक्त बना, लाखों जिंदगियां बदल रहा है।

ग्रामीण रोजगार और कौशल विकास- International Journal of Multidisciplinary Research and Development में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, पतंजलि ने साल 2017 तक 2 लाख से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है, जिनमें से अधिकतर लोग ग्रामीण इलाकों से हैं। पतंजलि के हरिद्वार, नागपुर और असम के प्लांट्स में स्थानीय लोगों को ट्रेनिंग और नौकरी दी जाती है, जिससे न सिर्फ उनका कौशल विकास होता है बल्कि उन्हें नौकरी की तलाश में शहरों का रुख भी नहीं करना पड़ता। वह अपने घर और परिवार के पास रहकर ही एक अच्छी आय कमा सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए खेती में योगदान- पतंजलि महिला सशक्तिकरण को लेकर बेहद सजग है। यहां महिलाओं को शिक्षा और रोज़गार के बराबर अवसर देने पर ज़ोर दिया जाता है। पतंजलि ने कई राज्यों जैसे उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में वहां की ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाए हैं जिसमें उन्हें तुलसी, गिलोय और एलोवेरा जैसी औषधीय फसलें उगाने की ट्रेनिंग दी जाती है।

तुर्किये एयरलाइंस के विमान में विस्फोटक, DGCA की अचानक जांच में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने तुर्किये एयरलाइंस को नियमों का पालन करने को लेकर चेतावनी दी है, क्योंकि चार एअरपोर्ट पर उसके विमानों के निरीक्षण में कई खामियां सामने आई हैं। डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन ने तुर्किये एअरलाइंस के विमानों की अचानक जांच की तो उसमें कई तरह की खामियां पाई गईं।

जांच में पाया गया एक विमान में विस्फोटक सामग्री मिली, इसकी न तो जांच की गई थी, ना ही इसका खुलासा किया गया था।

डीजीसीए से नहीं ली अनुमति- डीजीसीए ने 29 मई से 2 जून तक दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु में एअरलाइन के यात्री और कार्गो उड़ानों का सुरक्षा निरीक्षण और रैंप निरीक्षण किया। भारत में तुर्किये के संचालन पर डीजीसीए आगे भी नजर रखेगा।

विमानन मंत्रालय ने कहा, कार्गो में खतरनाक सामान था, जिसके लिए विस्फोटकों को भारत से/भारत में ले जाने के लिए डीजीसीए से अनुमति की आवश्यकता होती है। एअरलाइंस ने यह अनुमति नहीं ली थी और न ही खतरनाक सामान के एलान में इसका उल्लेख ही किया था।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में RCB के खिलाफ FIR, CID को सौंपा जा सकता है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में चिन्नस्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल भी हो गए थे। अब इस मामले में बेंगलुरु पुलिस ने स्वत- संज्ञान लिया है और आरसीबी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है।

आरसीबी के अलावा डीएनए एंटरटेनमेंट और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को भी एफआईआर में आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। वहीं इस बात की भी चर्चा है कि सरकार मामले की जांच सीआईडी को सौंप सकती है।

जीत का जश्न मातम में बदला

दरअसल 18 साल के लंबे इंतजार के बाद आरसीबी ने आईपीएल की ट्रॉफी अपने नाम की है। इस जीत से टीम के खिलाड़ियों समेत फैंस में भी जबरदस्त उत्साह है। आईपीएल में आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी जुटे थे।

लेकिन पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण यहां अचानक भगदड़ मच गई और 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। कहा गया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फ्री पास दिया जा रहा था। जिस गेट से फैंस की एंट्री होनी थी, वह इतना संकरा था कि एक बार में दो लोग भी नहीं घुस सकते थे।

बता दें कि डीएनए एंटरटेनमेंट नामक एजेंसी ने ही आरसीबी के जीत के जश्न वाले कार्यक्रम का मैनेंजमेंट संभाल रखा था और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने कार्यक्रम का आयोजन किया था। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, सेक्शन 105, 25 (1)(2), 132, 121/1, 190 क्र/2 3 (5) के तहत केस दर्ज किया गया है।

भगदड़ में हुई मौतों के बाद मामले में राजनीति भी शुरू हो गई है। भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख बीवाई विजयेंद्र ने सिद्दरमैया सरकार पर पुलिस पर दबाव डालने

8 लाख लोग आ गए थे, बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर इकट्ठा लोगों की संख्या पर कर्नाटक के गृह मंत्री का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 47 लोग घायल हो गए। इस घटना के संबंध में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने दावा किया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जात का जश्न मनाने के लिए करीब 8 लाख लोग स्टेडियम के बाहर एकत्र हुए थे।

उन्होंने कहा, हमने आनुमान लगाया था कि विधान सौधा के बाहर एक लाख लोग और स्टेडियम के बाहर 25 हजार लोग होंगे। लेकिन हमें उम्मीद नहीं थी कि 2.5 लाख लोग आएंगे और 8.70 लाख मेट्रो टिकट बेचे गए हैं।

कितने लोग आए थे- जी परमेश्वर ने कहा कि करीब 8 लाख लोग जश्न मनाने के लिए आए थे। उन्होंने कहा, अगर सबकुछ अच्छा रहता तो यह एक उदाहरण होता। मैंने आरसीबी और केएसीसीए से बात की है और उन्होंने हमें अपनी राय बताई है।

बता दें, बेंगलुरु में भगदड़ के शिकार सभी लोग 40 साल के कम उम्र के थे और मृतकों में 13 साल की एक लड़की भी शामिल है। मरने वालों में तीन किशोर और छह युवा शामिल हैं, जिनकी उम्र 20 साल के आसपास है।

कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा, मैं यहां देखने और सुनिश्चित करने आया हूं कि ऐसी घटना फिर न हो, इसके लिए क्या किया जा सकता है। हमें यह जानकारी नहीं है कि गेट पर कितने लोग मरे हैं। गेट 7, 6, 2, 16, 17, 18 और 21 पर भगदड़ मची थी।

कैसे हुई घटना- एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हजारों लोग पहले से ही जमा थे। आरसीबी के प्लेयर्स के आने से पहले ही भीड़ काफी ज्यादा बढ़ गई, जिससे सड़क जाम हो गई। हालांकि, मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

स्टेडियम के सभी 13 गेटों पर अंदर प्रवेश करने के लिए भारी भीड़ जमा थी। शुरुआत में कार्यक्रम के लिए पास जारी किए गए थे। बाद में फैंस के लिए निःशुल्क प्रवेश की घोषणा की गई, जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई और लोग संकीर्ण गेटों से अंदर घुसने की कोशिश करने लगे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल एकादशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है, प्लास्टिक प्रदूषण का मतलब है पर्यावरण में प्लास्टिक का संचय होना...

प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक समस्या है। प्लास्टिक प्रदूषण का मतलब है पर्यावरण में प्लास्टिक का संचय होना, जो वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। यह एक ऐसी समस्या है, जिसमें हर साल अरबों टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है और अधिकांश प्लास्टिक ऐसे स्थानों पर पहुँच जाता हैं जहाँ उसे नहीं होना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) अनुसार प्रतिदिन लगभग 2000 ट्रकों जितना प्लास्टिक कचरा दुनिया भर के के महासागरों, नदियों और झीलों फेंका जाता है जिससे यह सब तंत्र प्रदूषित होते हैं। वर्ष भर में यह लगभग लगभग 19 से 23 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में रिसता है। प्लास्टिक के विभिन्न स्तरों पर और कई तरह के प्रयोग-उपयोग हैं, जो हमारे दिन-प्रतिदिन का हिस्सा हो गया है, जिनसे हम लोग भली भाती परिचित हैं। परंतु प्लास्टिक प्रदूषण से हो रहे प्रभावों से अब कोई देश, कोई राज्य, कोई व्यक्ति अछूता नहीं है। यह किसी ने किस प्रकार से हमें, हमारे स्वास्थ्य को, हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को दूषित करता जा रहा है और एक गंभीर रूप ले चुका है।

प्लास्टिक एक कृत्रिम सामग्री है, जो कई तरह के रसायनों को मिलाकर बनाई जाती है। प्लास्टिक, पॉलीमर से बने होते हैं, जो दोहराए जाने वाले बिल्डिंग ब्लॉक से बने बड़े अणु होते हैं। यह विभिन्न सामग्रियों से बनाया जा सकता है, जैसे कि पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, और कोयला। प्लास्टिक कई प्रकार में उपलब्ध है जैसे पॉलीइथिलीन, एचडीपीई, एलडीपीई, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीविनाइल क्लोराइड, पॉलीस्टाइनिन, पॉलीस्टाइनिन, थर्मोसेटिंग प्लास्टिक (जैसे बैकेलाइट, मेलामाइन), पॉलीकार्बोनेट, पॉलिएस्टर, नायलॉन, इत्यादि। प्लास्टिक के प्रकार और उसके कई प्रकार के उपयोगों को हम जानते हैं और उससे हो रहे प्रदूषण से अधिकतर लोग संभवतः चिंतित भी हैं। प्लास्टिक प्रदूषण, पर्यावरण में प्लास्टिक कचरे के जमा होने को कहते हैं, जिससे वन्यजीवों, मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान होता है। प्लास्टिक का उत्पादन ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन में भी योगदान देता है। प्लास्टिक के उत्पादन और जलने के दौरान वातावरण में भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होता है। प्लास्टिक में पाए जाने वाले रसायन, जैसे कि फ़थलेट्स, बिस्फेनॉल ए, और फ्लेम रिटार्डेंट्स,जहरीले होते हैं और शरीर में प्रवेश करने पर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। जब इतनी समस्या है तो फिर प्रयोग-उपयोग क्यों- क्या आपने सोचा है कि मूल समस्या किस बात से है। मूलतः यह एकल-उपयोग प्लास्टिक अथवा सिंगल यूज प्लास्टिक है जो चिंता का विषय है और होना भी चाहिए। यह वह प्लास्टिक उत्पाद है जो एक ही बार उपयोग में आते हैं और उसके बाद फेंक दिया जाता है। इनमें प्लास्टिक पन्नी/थैली/बैग, स्ट्रॉ, पानी की बोतलें, खाद्य पैकेट, डिस्पोजेबल कटलरी इत्यादि शामिल है। जिनका ठीक से निस्तारण नहीं होने पर समस्या उत्पन्न होने लगती है। कई सिंगल-यूज प्लास्टिक वस्तुओं को पुनर्चक्रण करना मुश्किल होता है, क्योंकि वे जटिल संरचना, संदूषण या पतले आकार के कारण पुनर्चक्रण योग्य नहीं होते हैं। यह एक बार उपयोग कर फेंका गया प्लास्टिक सड़कों पर गंदगी करता है, पशुओं के खाने में आता है, नालियों को बंद कर देता है, भूमिगत प्रदूषण और मिट्टी पर दुष्प्रभाव, सामुदायिक एवं पर्यटन स्थानों पर अव्यवस्था एवं सुंदरता को ख़राब करता है। यह कई हज़ार वर्षों तक ऐसे ही भूमि में पड़ा-गड़ा रह सकता है।

उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय

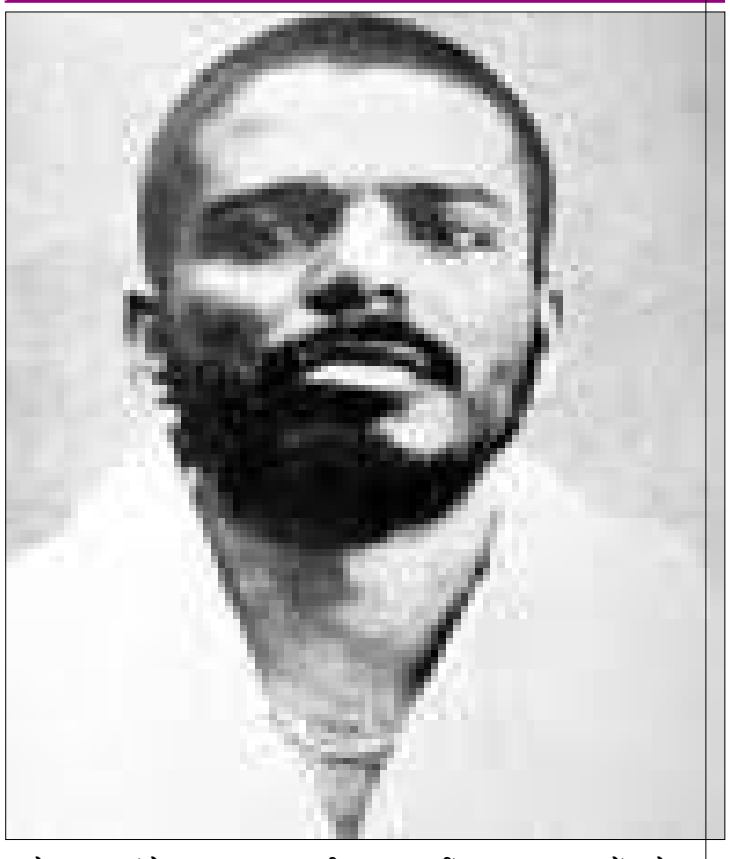

उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय भारत की आज़ादी के लिये संघर्ष करने वाले क्रान्तिकारियों में से एक थे। अलीपुर पड़यन्त्र केस के प्रमुख पड़यन्त्रकारियों में उपेन्द्रनाथ बंदोपाध्याय भी थे। उन्होंने अरविन्द घोष के वन्देमातरम् पत्र में भी काम किया। इसके बाद वे युगान्तर पत्र के सम्पादक हुए और इस पत्र के द्वारा उन्होंने ज्वलन्त क्रान्तिकारी भावों का प्रचार करना आरम्भ किया।

परिचय

उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय का जन्म सन् 1879 की 6 जून को चन्दन नगर में (चन्दर नगर) हुआ था। चन्दन नगर में फ्रांस का राज था। उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय के पिता रामनाथ बनर्जी वैष्णव थे और माता शाक्त थीं। सन 1897 में उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय का विवाह हुआ। 1906 में उनका ज्येष्ठ पुत्र मृपेन्द्र पैदा हुआ। उनकी स्त्री एक आदर्श हिन्दू महिला थीं, जो प्रियतम पति के निर्वासन-काल में एक संन्यासिनी की तरह रहती थीं।

शिक्षा

उपेन्द्र बाबू ने चन्दन नगर में रहकर प्राथमिक शिक्षा समाप्त करने के बाद ड्यूपले कालेज से एन्ट्रेन्स पास किया। फ्रेंच भाषा में सर्वश्रेष्ठ होने के कारण उन्हें एक स्वर्ण पदक इनाम में मिला था। छात्रावस्था में वे बड़े ही चंचल थे और मास्टरों को तंग किया करते थे। सन 1898 से 1903 तक वे कलकत्ता (आधुनिक कोलकाता) के मेडिकल कालेज में डाक्टरी पढ़ते रहे। उन्होंने डफ कालेज में भी पढ़ाई की, उस समय वह विद्यार्थियों को केवल फ्रेंच भाषा पढ़ा कर धनोपार्जन कर लेते थे। डफ कालेज से उन्हें बाइबिल की परीक्षा में छात्रवृत्ति भी मिली थी। बाइबिल के उत्तम विद्यार्थी होने पर भी उन्हें ईसाई धर्म से बड़ी घृणा थी और वे हिन्दुओं के बीच में ईसाई पादरियो के विरुद्ध व्याख्यान आदि दिया करते थे।

स्वामी विवेकानंद से प्रभावित

इसी समय उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय को स्वामी विवेकानन्द के ग्रन्थों के अध्ययन करने का शौक हो गया। वे एक बार स्वामी विवेकानन्द से मिले भी थे और फिर उसके बाद स्वामी जी के मायावती (हिमालय) आश्रम में जाकर सन्यासी की तरह रहे, मगर और भी भाई जाकर उन्हें वहाँ से ले आये। इसके बाद उपेन्द्र बाबू चन्दन नगर लौटे और वहाँ के एक विद्यालय में अध्यापन कार्य करने लगे। साथ ही युवा विद्यार्थियों में राजद्रोह और क्रान्तिकारी विचार का प्रचार भी करने लगे। किन्तु नौ मास के बाद वे फिर घर से विदा हुए। उनके मित्र पंडित हषिकेश कांजीलाल साथ थे, जो बराबर उनके साथ रहे। वे पटना, बनारस, बरेली होते हुए फिर मायापुरी पहुचे और वहाँ शाखों का अध्ययन करने लगे।

क्रांतिकारी विचार व सम्पादन कार्य

फिर उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय का ध्यान मायावाद से हटकर कर्मवाद की ओर आया। वे एक सन्यासी के रूप में पंजाब का पर्यटन करने लगे। सन 1905 में वे लौटकर फिर अध्यापन-कार्य करने लगे, और विद्यार्थियों के दिमाग में क्रान्तिकारी भाव भरने लगे। एक वर्ष के बाद उन्होंने अध्यापन कार्य छोड़ दिया और अरविन्द के वन्देमातरम् पत्र में काम करने लगे। इसके बाद वे युगान्तर पत्र के सम्पादक हुए और इस पत्र के द्वारा उन्होंने ज्वलन्त क्रान्तिकारी भावों का प्रचार करना आरम्भ किया।

भवानी मन्दिर

उपेन्द्रनाथ बंधोपाध्याय ने 1905 में भवानी मन्दिर नाम की पुस्तक लिखी थी, जिसमें देश की स्वतन्त्रता के लिये आपने जनता को शक्ति की देवी काली की उपासना करने के लिये ज़ोर दिया था। उपेन्द्रनाथ जी ने इसमें लिखा था कि इस कार्य में केवल ब्रह्मचारी युवकों को आगे बढ़ना चाहिये, जो अविवाहित रहकर त्यागी संन्यासियों की तरह सेवा-कार्य करें और काम पूरा होने पर, याने देश स्वतन्त्र होने पर वे विवाह करें।

कान्तिकारियों के लिये लिखा गया था कि वे सैनिक शिक्षा ग्रहण करें और वर्तमान रणनीति को अच्छी तरह जाने। वर्तमान रणनीति के लेखक अविनाशचन्द्र भट्टाचार्य को सन 1907 में अलीपुर बमकेस में सात वर्ष सपिरश्रम कारावास का दंड मिला था। इस पुस्तक में देश को स्वतन्त्र करने के लिये अंग्रेजों से युद्ध करना आवश्यक बताया गया है। इसी के साथ बम बनाने की भी एक पुस्तिका थी, जिसका क्रान्तिकारी लोग अध्ययन किया करते थे। बम्बई (आधुनिक मुम्बई) में देशभक्त वीर सावरकर और लाहौर में भाई परमानन्द के यहाँ तलाशी लेने पर मिली थीं।

Make in India सेमीकंडक्टर निर्माण की दिशा में एक और बड़ा कदम, SEZ नियमों में ढील

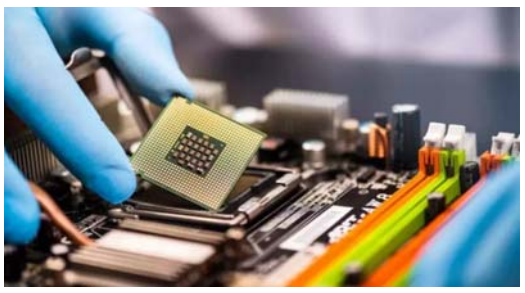

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का उत्पादन करने वाली कंपनियों को स्पेशल इकोनॉमिक जोन में छोटे प्लॉट पर फैक्ट्री स्थापित करने की अनुमति दे दी है। सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत में सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, और यह उसी दिशा में एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है। दरअसल, ग्लोबल ट्रेड अनिश्चितताओं के चलते सेमीकंडक्टर सप्लाई चैन बाधित हुई है और इससे जुड़ा जोखिम बढ़ गया है।

सरकार की ओर से 3 जून को नोटिफाई स्पेशल इकोनॉमिक जोन (रिवाइज्ड) नियम, 2025 निर्माताओं को तैयार माल को ट्रांसफर करने या बेचने के लिए ज्यादा स्वायत्तता प्रदान करते हैं।

अब छोटे प्लॉट पर भी लगाए जा सकेंगे कारखाने- हालांकि, नियम में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव न्यूनतम भूमि की जरूरत से जुड़ा है। सेमीकंडक्टर या इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट बनाने के लिए विशेष रूप से बनाए गए एसईजेड में, स्टार्टअप समेत कंपनियां अब 50 हेक्टेयर के बजाय 10 हेक्टेयर भूमि पर कारखाने लगा सकेंगी।

मल्टी-प्रोडक्ट एसईजेड में, न्यूनतम लैंड रिक्वायरमेंट को 20 हेक्टेयर से घटाकर चार हेक्टेयर कर दिया गया है। यह नियम गोवा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम, लद्दाख, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप, दमन और दीव, तथा दादरा और नगर हवेली में लागू होगा।

कंपनियों को और क्या राहत मिलेंगी

पहनने योग्य वस्तुएं जैसे स्मार्ट वॉचेस, ईयरबड्स, डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली, बैटरी के लिए लिथियम-आयन सेल, कैमरा मॉड्यूल सब-असेंबली, बैटरी सब-असेंबली, विभिन्न प्रकार की अन्य मॉड्यूल सब-असेंबली, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, मोबाइल और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी हार्डवेयर कंपोनेंट को इलेक्ट्रॉनिक घटक माना जाएगा।

सरकार द्वारा स्थ्रं नियमों में संशोधनों से निर्माताओं को स्टोरेज को मैनेज करने के लिए और अधिक विकल्प भी मिलते हैं।

न शाहरुख न सलमान, इस अभिनेता ने बेची 855 करोड़ की जमीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है। ये देश के कई बड़े सुपरस्टार का घर भी है। पिछले महीने बॉलीवुड अभिनेता जितेंद्र कपूर तथा उनके परिवार ने जमीन बेची है। यह सौदा 855 करोड़ रुपये में हुआ है। ये जमीन मुंबई के अंधेरी में स्थित है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक ये लेनदेन 29 मई 2025 को किया गया था।

इस संपत्ति के आसपास अंधेरी पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे, लिंक रोड, एसवी रोड और वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर मेट्रो लाइन मौजूद है। इसके अलावा इस संपत्ति के आसपास रिटेल दुकान जैसी सभी सुविधाएं हैं। इससे ये इलाका एक प्रीमियम कॉलोनी बनता है।

जितेंद्र कपूर और परिवार के स्वामित्व वाली फर्मों पैथियन बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड और तुषार इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ने अंधेरी में स्थित यह जमीन बेची है। तुषार, जितेंद्र के बेटे हैं। इस सौदे में 8.69 करोड़ रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 रुपये की पंजीकरण फीस लगी।

ये लेन-देन 9,664.68 वर्ग मीटर जमीन की है। इस संपत्ति में 0.96 हेक्टेयर या 2.39 एकड़ के क्षेत्र में फैले दो सटे हुए भूखंड शामिल थे। मौजूदा समय में यहां बालाजी आईटी पार्क है।

जंगी जहाज बनाने वाली कंपनी के शेयरों में तेजी, 3 महीने में 100% रिटर्न, ऑपरेशन सिंदूर के बाद से लगातार भागा

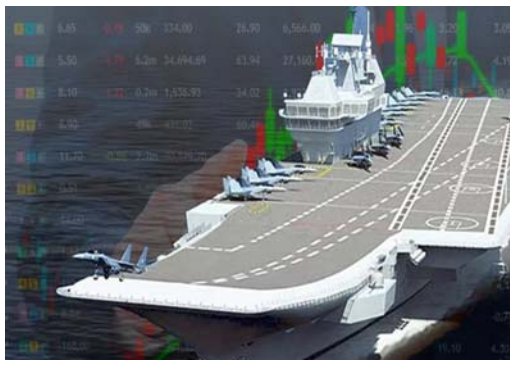

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की डिफेंस कंपनियों के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी है। पिछले महीने से इन स्टॉक्स में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिल रही है, आज भी डिफेंस शेयरों में एक्शन देखने को मिला। युद्धपोत और कमर्शियल शिप समेत अन्य प्रोडक्ट्स का निर्माण करने वाली कंपनी कोचिन शिपयार्ड के शेयर आज 13 फीसदी तक चढ़ गए।

कोचिन शिपयार्ड के शेयर 2108 रुपये के स्तर पर खुले और 2380 रुपये का हाई लगाया। खास बात है कि यह लगातार तीसरा दिन है जब कोचिन शिपयार्ड के शेयरों में तेजी आई है। 3 जून को इन शेयरों ने 6 फीसदी तक की तेजी दिखाई थी, जबकि कल ये शेयर ढाई फीसदी तक उछल गए थे।

3 दिन में 20त्न की शानदार तेजी- 18 फरवरी को 1180 रुपये का निचला स्तर लगाने के बाद ये शेयर 2380 रुपये तक पहुंच गए हैं। यानी तीन महीनों में कोचिन शिपयार्ड के शेयर करीब 100 की तेजी दिखा चुके हैं। एक और हैरान करने वाली बात है कि ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च होने के बाद से इस शेयर में जबरदस्त तेजी देखी गई, और 9 मई से यह स्टॉक लगातार ऊपर गया है।

खास बात है कि कोचिन शिपयार्ड के शेयर एक महीने में 50 फीसदी से ज्यादा तेजी दिखा चुके हैं। वहीं, 5 साल में इन शेयरों ने 1800त्न तक रिटर्न दिया है। 5 जून 2020 को इस शेयर का भाव 135 रुपये था और अब कीमत 2362 रुपये है।

दरअसल, पिछले महीने खबर आई थी कि एचडी हुंडई और कोचीन शिपयार्ड 10,000 करोड़ की परियोजना के लिए बातचीत कर रहे हैं। इस पर कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें, भारत सरकार के समुद्री भारत विजन 2030 और समुद्री अमृत काल विजन 2047 के अनुरूप जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्टैक होल्डर्स के साथ काम कर रही है।

बड़े मुनाफे के लिए किस शेयर में लगाएं पैसा, एक्सपर्ट ने दिए टारगेट प्राइस

नई दिल्ली (एजेंसी)। HDFC और ICICI, दोनों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। चूंकि, दोनों भारत के बड़े प्राइवेट बैंक हैं और दोनों बैंकों के फंडामेंटल बहुत मजबूत हैं, इसलिए लाखों निवेशक इनमें पैसा लगाते हैं। अगर आप इन बैंक शेयरों में पैसा लगाने जा रहे हैं तो एक्सपर्ट के नजरिये से जान लें कि कौन-सा बैंक शेयर टेक्निकली निवेश के लिए ज्यादा बेहतर है। मार्केट एक्सपर्ट और प्रॉफिट मार्ट सिक्युरिटीज के रिसर्च हेड अविनाश गोरक्षकर ने एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों पर खरीदी को लेकर अपनी राय दी है।

उन्होंने दोनों बैंक शेयरों पर लंबी और मध्यम अवधि के लिए टारगेट प्राइस दिए। जहां लॉन्ग टर्म के लिए ICICI बैंक के शेयर बेस्ट पिक हैं, तो मध्यम अवधि में HDFC बैंक के शेयर अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।

ICICI बैंक शेयर लंबी रेस का घोड़ा- अविनाश गोरक्षकर ने कहा कि ICICI Bank में अभी कुछ टाइम से हम कंसोलिडेशन देख रहे थे। कल स्टॉक 20डे मूविंग एवरेज के नीचे फिसला, लेकिन आज दूसरे दिन ही स्टॉक ने 20 और 10डे मूविंग एवरेज को दोबारा हासिल कर लिया।

अगर आप आप निवेशक हैं और आपके पास 6 से 8 महीने का समय है तो यह एक बहुत ही बढ़िया पिक हो सकता है।

जल्द आएंगे मार्केट में ये 5 बड़े आईपीओ, Reliance Jio से लेकर Urban कंपनी हैं शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में देश की कई बड़ी कंपनी शेयर बाजार में एंट्री लेने की कोशिश कर रही है। ये सभी कंपनी जल्द प्राइमरी मार्केट में अपना आईपीओ निकाल सकती है। नीचे हमने जो लिस्ट बताई है, इनमें कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

जैसे रिलायंस जियो, टेलीकॉम इंडस्ट्री में बड़ा नाम है। इसकी शुरुआत साल 2016 में हुई थी। ये मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़ी कई सर्विस प्रदान करती है। ऐसी ही इस लिस्ट में Boat, Urban कंपनी, Zepto, LG इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

Reliance Jio कब लाएगा आईपीओ- इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक रिलायंस जियो वित्त वर्ष 2025-26 के दूसरी या तीसरी तिमाही में आईपीओ लॉन्च कर सकता है। इस आईपीओ को जारी कर कंपनी 40 हजार करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। वही ये लॉट साइज में बड़े आईपीओ में से एक होने वाला है।

Boat IPO- बोट कंपनी की शुरुआत साल 2014 में हुई थी। ये कंपनी अपने audio products के लिए देशभर में फेमस है। ये कम कीमत में अच्छी क्वालिटी वाले प्रोडक्ट ऑफर करता है।

बोट की पेरेंट कंपनी Imagine Marketing Limited द्वारा ये आईपीओ लॉन्च होने वाला है। आईपीओ जारी कर कंपनी 2000 करोड़ रुपये का फंड जुटाना चाहती है। कंपनी ने पैसों का इस्तेमाल लिए गए लोन की पेमेंट के लिए करेंगी। इसे जुलाई 2025 तक जारी किया जा सकता है। ये जानकारी साल 2022 में DRHP फाइल से मिली है।

Zepto IPO - जेप्टो कंपनी की शुरुआत साल 2021 में हुई है। ये कंपनी अपने फास्टेस्ट डिलीवरी के लिए फेमस है। इसने फास्टेस्ट कॉमर्स में अपना नाम बनाया है। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक ये कंपनी इस साल के अंत में या अगले साल की शुरुआत में आईपीओ शुरू कर सकती है।

LG Electronics- LG Electronics की शुरुआत साल 1997 में हुई है। ये आज इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट के मामले में टॉप की लिस्ट में आता है। ये कंपनी इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट जैसे टीवी, वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर बनाने का काम करती है।

कंपनी ओफएस के तहत आईपीओ लॉन्च करेगी। ये आईपीओ जारी कर 15 हजार करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे।

Urban Company IPO- Urban Company की शुरुआत 31 दिसंबर 2024 में हुई थी। कंपनी ये आईपीओ जारी कर 1900 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इन पैसों का इस्तेमाल कंपनी नई तकनीक और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए करेगी।

अब फ्लिपकार्ट से डायरेक्ट मिल जाएगा लोन, ई-कॉमर्स कंपनी को RBI से मिला लाइसेंस!

नई दिल्ली (एजेंसी)। वॉलमार्ट की फ्लिपकार्ट ने भारतीय केंद्रीय बैंक और बैंकिंग रेगुलेटरी से कर्ज देने का लाइसेंस हासिल कर लिया है। इससे वह अपने प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों और विक्रेताओं को सीधे कर्ज दे सकेगी। रॉयटर्स और एक सोर्स द्वारा रिव्यू किए गए दस्तावेजों के अनुसार, यह पहली बार है जब भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में किसी बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी को गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) का लाइसेंस दिया है, जिससे उसे लोन देने की अनुमति तो मिली है, लेकिन जमा स्वीकार करने की नहीं।

वर्तमान में अधिकांश ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बैंकों और एनबीएफसी के साथ गठजोड़ करके कर्ज देते हैं, लेकिन लोन देने का लाइसेंस फ्लिपकार्ट (भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स फर्म) को सीधे कर्ज देने में सक्षम बनाएगा, जो समूह के लिए अधिक आकर्षक मॉडल है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

ATM में टेप लगाकर उड़ाते थे रुपए, छह आरोपी पकड़ाए

बुरहानपुर। बुरहानपुर शहर में साइबर ठगी और ऑनलाइन फ्रॉड के बाद एटीएम में टेप लगाकर रुपये उड़ाने की एक नई ठगी की वारदात का खुलासा हुआ है। बुधवार रात लालबाग क्षेत्र के एक एटीएम में इसी तरह की ठगी की कोशिश कर रहे एक गिरोह के छह सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

क्षेत्र के कुछ लोगों की सतर्कता के चलते यह गिरोह रंगे हाथों पकड़ा गया। गिरोह के अन्य सदस्य रावेर और महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में ठगी करने गए हुए हैं।टेप चिपका कर करते थे एटीएम से रुपये गायब

एसपी देवेंद्र पाटीदार ने बताया कि यह गिरोह एटीएम से नकदी निकालने वाले स्लॉट में पारदर्शी टेप चिपका देता था। ग्राहक एटीएम में कार्ड लगाकर ट्रांजेक्शन करता था, तो पूरी प्रक्रिया सफल होने के बावजूद रुपये बाहर नहीं आते थे। ग्राहक इसे तकनीकी गड़बड़ी समझ कर बिना पैसा लिए वहां से लौट जाता था। उसके बाद ठग टेप निकालकर एटीएम में फंसे रुपये निकाल लेते थे।

बुधवार रात लालबाग क्षेत्र के एक एटीएम में उन्होंने इसी तरह का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय लोगों को कुछ संदिग्ध गतिविधियों पर संदेह हुआ। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर छह ठगों को पकड़ लिया।खुद को पत्रकार बता कर करते थे भ्रमित

पूछताछ में सामने आया है कि ठगों के वाहन पर प्रेस लिखा हुआ था। वाहन का नंबर यूपी 32 क्यूके 2294 है। गिरोह के सभी सदस्य उत्तर प्रदेश के कानपुर और फतेहपुर जिले के रहने वाले हैं।

पुलिस के मुताबिक ये ठग खुद को पत्रकार बताकर लोगों को चकमा देते हैं। वे बुरहानपुर में तुलसी माल स्थित महंगे होटल 'ग्रैंड शिवम' में ठहरे हुए थे।

सोशल मीडिया पर संदिग्धों की फोटो जारी

फिलहाल पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की है। एसपी ने बताया कि गिरोह के बाकी सदस्य रावेर और महाराष्ट्र के अन्य शहरों में ठगी करने निकले हैं, जिन्हें पकड़ने के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं। इंटरनेट मीडिया पर संदिग्धों की तस्वीरें सार्वजनिक करते हुए लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

पुलिस ने दी चेतावनी और सुझाव

एसपी पाटीदार ने कहा कि किसी एटीएम में कोई गड़बड़ी दिखाई दे, तो उसका उपयोग न करें। तुरंत बैंक या पुलिस को सूचना दें। किसी भी अनजान व्यक्ति से मदद न लें। न ही एटीएम पिन साझा करें। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच है।

छात्र ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से लगाई छलांग, हालत गंभीर

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में गुरुवार दोपहर एक चौंकाने वाली घटना हुई, जब एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के छात्र शिवांश गुप्ता ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। घटना में उसे गंभीर चोटें आई और उसे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। चौथी मंजिल से नीचे कूदा छात्र रीवा निवासी शिवांश कॉलेज के हॉस्टल नंबर 4 में रहकर पढ़ाई कर रहा था। गुरुवार करीब दोपहर 12 बजे वह हॉस्टल की चौथी मंजिल की रैलिंग पर चढ़ गया और नीचे कूद गया। जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते, वह जमीन पर गिर चुका था। छात्र और स्टाफ तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है।

डिप्रेशन में था छात्र-प्रिलिमनरी इन्वेस्टिगेशन में यह बात सामने आई है कि छात्र पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था। पुलिस के अनुसार, उसने घटना से कुछ देर पहले अपने दो दोस्तों को मोबाइल पर मैसेज भेजा था जिसमें उसने लिखा था कि वह ÷बहुत परेशान है÷। जब दोस्तों ने उससे पूछने की कोशिश की कि परेशानी क्या है, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया।

कमरे में अकेला रह रहा था छात्र-शिवांश जिस कमरे में रहता था, वहां उसका रूममेट फिलहाल छुट्टी पर था। इस कारण वह हॉस्टल में अकेला था। कॉलेज प्रबंधन और पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं छात्र पर पढ़ाई या किसी अन्य वजह से मानसिक दबाव तो नहीं था।

पुलिस ने शुरू की जांच-कॉलेज प्रशासन ने तुरंत छात्र के परिवारवालों को सूचना दी और पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। गढ़ा पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल छात्र का कमरा सील कर दिया गया है और घटनास्थल की पड़ताल की जा रही है। परिजनों के आने के बाद आगे की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

इस घटना के बाद से छात्रावास में रहने वाले अन्य छात्र भी सदमे में हैं। कॉलेज प्रबंधन ने छात्रों से बात की है और कोशिश की जा रही है कि सभी को मानसिक रूप से सहयोग मिले। प्रशासन यह भी सोच रहा है कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें काउंसलिंग दी जाए।

पति को करंट देकर मारने मामले में हाई कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित, केमिस्ट्री प्रोफेसर पत्नी ने विश्लेषण कर जजों को चौंकाया

जबलपुर। चिकित्सक रहे पति को करंट लगाकर हत्या में सेशन कोर्ट से उम्र कैद की सजा को चुनौती देने वाली केमिस्ट्री की प्रोफेसर रहीं 65 वर्षीय ममता पाठक की याचिका पर बहस पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया। हाई कोर्ट ने कहा है कि जब तक फैसला नहीं आ जाता, महिला प्रोफेसर जमानत पर रिहा रहेगी।

दरअसल, जब इस प्रकरण की सुनवाई चल रही थी, तब आरोपित महिला ने पोस्टमार्टम प्रक्रिया का रसायनिक विश्लेषण कर चौंका दिया। हाई कोर्ट ने उसके बयान को रिकॉर्ड पर ले लिया। इससे पूर्व हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति देवनारायण मिश्रा की युगलपीठ ने महिला प्रोफेसर ममता पाठक से सवाल किया कि आप पर अपने पति की इलेक्ट्रिक करंट से हत्या का आरोप है, इस पर आपका क्या कहना है?आरोपित ने क्या दी दलील इस पर अपने बचाव में प्रो. ममता ने अपने केमिस्ट्री के ज्ञान के आधार पर तर्क देते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रूम में थर्मल बर्न और इलेक्ट्रिक बर्न में अंतर कर पाना संभव नहीं है। जब करंट शरीर से गुजरता है, तो मेडिकल मेटल के कण टिशू में जम जाते हैं। बाद में लैब में उसे एचसीएल या नाइट्रिक एसिड में घोलकर परीक्षण किया जाता है। वहां असली पहचान होती है कि बर्न किस कारण से हुआ।

जांच में यह आया था सामने उल्लेखनीय है कि अभियोजन पक्ष का मानना यह था कि अपीलकर्ता प्रोफेसर ममता पाठक ने अपने 63 वर्षीय पति डॉ. नीरज पाठक की बिजली का करंट लगाकर हत्या कर दी। 29 अप्रैल, 2021 को डॉ. नीरज छतरपुर जिले में स्थित अपने घर में मृत पाए गए, उनके शरीर पर कई जगह बिजली के जलने के निशान पाए गए। छह मई, 2021 को अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध हत्या की एफआइआर दर्ज की गई।अभियोजन पक्ष के अनुसार, पोस्टमार्टम से पता चला कि डॉ. नीरज की मौत शरीर के कई स्थानों पर बिजली के करंट से कार्डियो रेस्पिरेटरी फेलियर के कारण हुई। जांच के दौरान दर्ज बयानों के आधार पर प्रोफेसर ममता को मामले में आरोपित बनाया गया।

सेशन कोर्ट ने दोषी मानकर सुनाई उम्र कैद 2022 में छतरपुर की सेशन कोर्ट ने ममता को हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी, लेकिन इसके बाद हाई कोर्ट में अपील दायर की और कुछ माह पहले जमानत मिल गई। पुलिस की जांच के अनुसार, घर में डॉ. नीरज पाठक के मृत पाए जाने के बाद पत्नी प्रोफेसर ममता पाठक ने पहले बयान दिया था कि वह बेटे के साथ झांसी गई थी, लौटने पर पति मृत मिले, लेकिन जांच में पाया गया कि प्रोफेसर ममता ने पति को पहले नींद की गोलियां दीं, फिर उन्हें इलेक्ट्रिक शाक देकर मार डाला। ड्राइवर के बयान और मृतक नीरज की एक आडियो क्लिप ने इस केस को मजबूत बना दिया, जिसमें वह कह रहे हैं कि पत्नी ममता उन्हें प्रताड़ित करती हैं।

मुरैना में चार और पुलिस कांस्टेबल पर केस दर्ज, सॉल्वर बैठाकर पास की थी परीक्षा

मुरैना। मध्य प्रदेश में आधार कार्ड अपडेट करवाकर सॉल्वर के जरिए पुलिस भर्ती परीक्षा पास करने वाले कांस्टेबल रोज सामने आ रहे हैं। गुरुवार को मुरैना में चार और पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, जिन्होंने धोखाधड़ी कर परीक्षा पास की।

जानकारी के मुताबिक ये चारों आधार कार्ड की जांच में पकड़ में आ गए। चारों को पांचवी बटालियन में ज्वाइनिंग से पहले पकड़ा गया है। मुरैना में अब तक सात कांस्टेबल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। 50 के करीब हो सकती है इनकी संख्या

फर्जीवाड़ा कर परीक्षा पास करने वालों की संख्या 50 के करीब हो सकती है। परीक्षा 2023 में हुई थी, जिसे कर्मचारी चयन मंडल द्वारा लिया गया था। इस मामले में अभी तक सॉल्व, अभ्यर्थी व कियोस्क संचालक सहित 23 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने इस मामले में फरार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी रखा है।

ऐसे किया फर्जीवाड़ापरीक्षा से पहले अभ्यर्थियों ने अपने आधार कार्ड पर सॉल्वर का फोटो और उसके फिंगरप्रिंट अपडेट करवा लिए।

परीक्षा के बाद अभ्यर्थियों ने वापस खुद के फोटो और बायोमैट्रिक से आधार कार्ड को वापस अपडेट करवा लिया।

यह फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद अब उन सभी की जांच की जा रही है जिसने परीक्षा से पहले और बाद में आधार कार्ड अपडेट करवाया है।

पुलिस कांस्टेबल के कुछ 7411 पदों के लिए 2023 में 12 अगस्त से 12 सितंबर तक परीक्षा का आयोजन हुआ था।

परीक्षा का रिजल्ट 12 मार्च 2025 को जारी किया गया, जिसमें 6446 का चयन किया गया। इसके बाद जब ज्वाइनिंग शुरू हुई तो फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

अधिक मूल्य वाली फसलों के उत्पादन पर जोर दें: आयुक्त श्री वर्णवाल

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

इंदौर। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल की अध्यक्षता में एआईसीटीएसएल के सभाकक्ष में आज रबी- 2025 की समीक्षा एवं खरीफ- 2025 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु संभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्यानिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन, कृषि विभाग के सचिव श्री एम. शेलवेन्द्रम, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, उद्यानिकी विभाग की आयुक्त श्रीमती प्रीति मैथिल, मार्केफेड एमडी के श्री आलोक सिंह, सहकारिता आयुक्त श्री मनोज पुष्प, कृषि विभाग के संचालक श्री अजय गुप्ता, इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने कृषि, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, सहकारिता एवं अन्य संबंधित संस्थाओं की योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों के संबंध में समीक्षा की। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर्स ने अपने-अपने जिलों में कृषि क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों के बारें में बताया। कृषि आयुक्त श्री वर्णवाल ने झाबुआ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा के द्वारा कृषि क्षेत्र में किये गए नवाचार के लिए उनकी सराहना की। कलेक्टर श्रीमती मीणा ने कृषि क्षेत्र से संबंधित अरहर पूसा-16 के उत्पादन का नवाचार किया, जिसके अच्छे परिणाम भी प्राप्त हुए। बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ति करें। राज्य शासन की समस्त योजनाओं का लाभ हितग्राही किसानों को मिले और कोई भी इससे वंचित नहीं रहें। हितग्राहियों के खाते खुलवाकर उनको आधार एवं समग्र आईडी से ईकेवायसी करवाना सुनिश्चित करें। किसानों के द्वारा उत्पादित फसल का भुगतान समय सीमा में सुनिश्चित किया जाये। अधिकारी योजना बनाकर निश्चित समयावधि में कार्य करें। मैदानी स्तर पर जाकर भौतिक सत्यापन के साथ इसकी मॉनिटरिंग भी करें। सहकारिता बैंक अधिकारी कृषि ऋण वसूली में तेजी लायें। कार्यों में किसी तरह की लापरवाही, अनियमितता और अनुशासनहीनता नहीं बरते, अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में आयुक्त श्री वर्णवाल ने कहा कि अधिकारी किसानों से आग्रह करें कि वे कम मूल्य की फसलों के बजाय अधिक मूल्य वाली फसलों का उत्पादन अधिक करें। कृषि उत्पादन में वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग करें और नवाचार को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। फसल उत्पादन के लिए किसानों को समय पर बीज, उर्वरक आदि उपलब्ध करायें। खेतों में बीटी कॉटन के साथ अन्य कपास की प्रजातियों का भी उत्पादन करें, जिससे कीटों की समस्या कम होगी। सोयाबीन फसल के विकल्प के रूप में अरहर पूसा-16 को लगाकर उत्पादन बढ़ाया जायें। शीत ऋतु में अरहर फसल की पैदावार नहीं करें, क्योंकि पाला पड़ने से इसका उत्पादन प्रभावित होता है। फसल उत्पादन के लिए किसान डीएपी उर्वरक के विकल्प के रूप में जैविक खाद का इस्तेमाल करें। किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए मिट्टी परीक्षण करने के लिए प्रेरित करें। बेहतर मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला बनायें। किसानों की सुविधा के लिए सभी जिलों में खाद वितरण केन्द्र बनायें जायें। किसानों की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए भण्डारण केन्द्र पर पर्याप्त विश्राम शेड की व्यवस्था की जायें।

इंदौर की हरियाली की गोद में बसा ऑक्सीजन हब, पोलोग्राउंड रामबाग बना सुकून का नया ठिकाना

इन्दौर। हर की घनी आबादी और शहरी जीवन की भागदौड़ के बीच एक ऐसा स्थान भी है, जो हरियाली, ताजगी और शांति का प्रतीक बन चुका है। इंदौर के पोलोग्राउंड और रामबाग क्षेत्र में स्थित यह हराभरा इलाका न केवल आंखों को सुकून देता है, बल्कि पूरे क्षेत्र को भरपूर ऑक्सीजन भी प्रदान करता है।

इस इलाके में लगभग 20,000 से अधिक पेड़ लगे हुए हैं, जिनमें नीम, आम, जामुन और कई अन्य देशी प्रजातियों के वृक्ष शामिल हैं। हाल ही में हुई हल्की बारिश के बाद यह इलाका और भी अधिक हरा भरा नजर आने लगा है, जिससे वातावरण ताजगी से भर गया है।

मास्टर प्लान के अनुसार इंदौर का ग्रीन कवर 9 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन अहिल्याश्रम, रामबाग और कान्ह नदी के किनारे बसा यह क्षेत्र हरियाली का एक सुंदर उदाहरण पेश करता है। यह इलाका न केवल पर्यावरण के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि शहरवासियों के लिए ताजगी और सुकून का भी माध्यम है। नगर निगम ने इस क्षेत्र को 'ग्रीन फॉरेस्ट जोन' के रूप में विकसित करने की योजना बनाई थी, लेकिन स्थानीय रहवासियों के विरोध के चलते योजना फिलहाल अटकी हुई है। हालांकि, क्षेत्र की हरियाली और प्राकृतिक संरचना पहले से ही ग्रीन फॉरेस्ट जैसी प्रतीत होती है। इस सुंदर जंगलनुमा हरियाली का दृश्य भंडारी मिल क्षेत्र में स्थित 18 मंज़िल ऊंची इमारत से देखा जा सकता है।

यूका कचरा जलने से रोकने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा- विशेषज्ञों की निगरानी में जल रहा

इन्दौर। पीथमपुर के तारपुरा गांव में जलाए जा रहे यूनियन कार्बाइट के कचरे को जलने से रोकने की यचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कचरा विशेषज्ञों की निगरानी में जल रहा है और कोर्ट पूरे मामले पर निगरानी बनाए हुए है। इस कारण तत्काल हस्तक्षेप की जरुरत नहीं है। याचिका सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्रा ने लगाई थी। याचिका में कहा गया कि कचरा जलाने के लिए हाईकोर्ट ने 72 दिन की समससीमा तय की थी,जो 8 जून को समाप्त हो रही है। इस कारण सुनवाई जरुरी है। कोर्ट ने कहा कि अभी विचार नहीं किया जाएगा। कचरे का पहला ट्रायल दो माह पहले किया गया था। तब 30 टन कचरा कचरा जलाकर देखा गया। उसकी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की गई। सयंत्र व गांव के कुछ स्थानों पर गैस का पता लगाने के लिए उपकरण भी लगाए गए है। विशेषज्ञों ने दावा किया है कि कचरा जलाने से कोई वातावरण में नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में बोले रघु ठाकुर

हथियारों का व्यवसाय ही युद्ध का बड़ा कारण

इन्दौर। सुप्रसिद्ध समाजवादी चिन्तक एवं लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संस्थापक रघु ठाकुर ने कहा कि समाजवाद शाश्वत एवं स्थायी विचारधारा है जिस पर चल कर ही भारत बेहतर देश बनेगा। उन्होंने कहा कि हथियारों का व्यवसाय ही युद्ध का बड़ा कारण है।

श्री ठाकुर स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जबसे दुनिया बनी है तभी से समाजवाद का उदय हुआ है। यह ईश्वरीय विचारधारा है जो बराबरी के सिद्धांत पर टिकी है। प्रकृति ने प्रारब्ध से सिखाया है कि उसके लिये सब समान है। प्रकृति ने सबको सबकुछ बराबर दिया है, मनुष्य ने ही हर जगह गैर-बराबरी पैदा की है।

श्री ठाकुर ने कहा कि आज भी समाजवादी आंदोलन प्रासंगिक है क्योंकि समाज आज भी आशा भरी निगाहों से हमारी तरफ देखता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ अपनों की वजह से समाजवादी पिछड़ गए हैं इसलिये लोहिया की नीति अनुसार हमें सुधार की शुरुआत घर से ही करना होगी। उन्होंने यह भी माना कि समाजवादी आंदोलन की कमजोरी के कारण पुराने साथी यहां-वहां जुड़ गए हैं।

श्री ठाकुर ने कहा कि आज दुनिया में गैर जरूरी कारणों से युद्ध हो रहे हैं। हथियारों का बड़ा कारोबार इसकी मुख्य वजह है। भारत-पाक युद्ध के संदर्भ में उन्होंने कहा कि जितनी मर्तबा भारत के दुश्मन देशों से युद्ध हुए हैं राजनीति हावी हो जाती है। सेना जीत कर भी हार जाती है। उन्होंने बढ़ते विदेशी कर्ज और सैन्य खर्चों को अनावश्यक बताया और कहा कि तमाम युद्धों का हल समाजवाद में ही निहित है।

संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम की शुरूआत आज से

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर स्वास्थ्य विभाग एवं श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से इंदौर में संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम की शुरूआत 5 जून से होने जा रही है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिये जून माह में इंदौर जिले में 13 स्वास्थ्य संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित किये जाएंगे। इन शिविरों में आधुनिक मशीनों से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर, सीबीसी, ईसीजी, फायब्रो स्केन, मेमोग्राफी, मोतियाबिंद, पेपस्मेयर आदि की निःशुल्क जाँच की जाएगी। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी जो नागरिकों को मुफ्त परामर्श, परीक्षण तथा आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध कराएगी। आवश्यकता होने पर उपचार भी मुहैया कराया जायेगा। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठायें और नियमित स्वास्थ्य जाँच करायें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल आमजन को स्वास्थ्य सुविधा देना बल्कि उन्हें समय रहते रोगों की पहचान कराना एवं रोकथाम हेतु मदद पहुंचाना है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के तहत प्रथम शिविर 5 जून को सन्मति स्कूल रेसीडेंसी एरिया में आयोजित होगा। दूसरा शिविर 7 जून को बाल विनय मंदिर नेहरू पार्क रोड में, तीसरा शिविर 9 जून को सीएम राइज स्कूल नंदानगर में होगा। इसी प्रकार 11 जून को संजीवनी क्लीनिक अहिल्या नगर, 12 जून को कन्केवश्वरी स्कूल नंदानगर, 14 जून को एडवांस एकेडमी निपानिया, 16 जून को जिला अस्पताल धार रोड, 18 जून को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाणगंगा, 21 जून को यूपीएचसी गुमास्ता नगर, 23 जून को बिचौली हप्सी पीएचसी एवं स्कूल, 26 जून को खजराना गणेश मंदिर, 28 जून को यूपीएचसी खजराना और 30 जून को गाँधी हॉल में शिविर आयोजित किये जाएंगे।

यात्रियों की वापसी बनी खतरा! इंदौर में एक दिन में मिले 7 नए कोरोना मरीज

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में कोरोना संक्रमण एक बार फिर सिर उठाता नजर आ रहा है। बुधवार को शहर में सात नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई है। इन मरीजों में से तीन हाल ही में मथुरा, केरल और बद्रीनाथ की यात्रा से लौटे हैं। स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है और संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है। सभी संक्रमितों को होम आइसोलेशन में रखा गया है जहां विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग सतर्क, लगातार सामने आ रहे नए मरीज- शहर में कोरोना के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। रोजाना नए मरीज सामने आ रहे हैं जिससे संक्रमण का खतरा फिर से मंडराने लगा है। बुधवार को जिन सात मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, उनमें से कई हाल ही में विभिन्न राज्यों से यात्रा करके लौटे हैं। संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उन्हें भी आइसोलेट करने की तैयारी की जा रही है ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

संक्रमितों में महिलाएं और पुरुष, सभी होम आइसोलेशन में- अधिकारियों ने बताया कि मथुरा से लौटी 43 वर्षीय महिला, केरल से लौटी 69 वर्षीय महिला, बद्रीनाथ से लौटी 48 वर्षीय महिला, ओडिशा से लौटे 29 वर्षीय पुरुष और रायपुर से लौटे 36 वर्षीय पुरुष समेत इंदौर के दो पुरुषों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन सभी को सर्दी, खांसी और बुखार की शिकायत थी, जिसके बाद जांच करवाई गई। सभी मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है और उनके परिजनों को भी विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

इंदौर में अब तक 33 मामले, सीएमएचओ ने दी सतर्कता की सलाह- इस वर्ष अब तक इंदौर में कोरोना के कुल 33 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें 25 मरीज इंदौर के और आठ अन्य जिलों के हैं। फिलहाल शहर में 17 सक्रिय मरीज हैं जो सभी होम आइसोलेशन में हैं। सीएमएचओ डॉ. बीएस सैत्या ने बताया कि हाल ही में कोरोना के ओमिक्रान वैरिएंट की सब-लाइनिज की पुष्टि हुई है, जिससे घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन सतर्क रहना जरूरी है।

दुग्ध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने के निर्देश, मत्स्य उत्पादन में आधुनिक तकनीक का होगा उपयोग - कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक वर्णवाल

इंदौर। प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने कहा है कि मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया जाएगा। वर्तमान में प्रदेश देश के कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग 9 प्रतिशत योगदान देता है, जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सभी जिलों के कलेक्टरों को अपने-अपने जिलों में समुचित कार्य योजना बनाकर विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए गए हैं।

श्री वर्णवाल आज इंदौर में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में उन्होंने पशुपालन, पशु चिकित्सा, डेयरी विकास, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य पालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेरी विकास श्री उमाकांत उमराव, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री वर्णवाल ने पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि गौ पालन को प्रोत्साहित किया जाये।

अच्छी गौ-शालाएं संचालित करने वालों को शासकीय योजनाओं और सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ दिया जाये। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिले ऐसे प्रयास सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों में प्राथमिकता से करें। उन?होंने कहा की हमारा लक्ष्य है कि दुग्ध उत्पादन हर हाल में बढ़े, इसके लिये राज्य शासन द्वारा ?विशेष योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किये गये हैं। उन्होंने पशुओं की नस्ल सुधार पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश ?दिये। उन्होंने कहा कि इसके लिये कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का प्रभावी और परिणामूलक क्रियान्वयन हो। मुर्गी पालन एवं बकरी पालन की गतिविधियों से अधिक से अधिक हितग्राहियों को जोड़ा जाये।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

साधु संतों की पेशवाई ने सिंहस्थ की याद ताजा कर दी

उज्जैन। गंगा दशहरा के अवसर पर धार्मिक नगरी उज्जैन में अद्भुत नजारा दिखा। नील गंगा सरोवर में स्नान करने से पहले साधु-संत तलवार और अस्त्र-शस्त्र लेकर पेशवाई के रूप में निकले। इस नजारे ने सिंहस्थ की यादें ताजा कर दी।

गुरुवार को गंगा दशहरा के पावन पर्व पर सिंहस्थ कुंभ जैसा नजारा देखने को मिला। पेशवाई में बड़ी संख्या में साधु-संतों को देखकर लोगों ने जमकर फूल बरसाए। बता दें कि उज्जैन में 2028 में सिंहस्थ कुंभ मेला लगेगा। गंगा दशहरे के अवसर पर गुरुवार को सुबह श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के नीलगंगा घाट पर साधु-संतों का जमावड़ा लगा। नीलगंगा सरोवर में साधु-संतों की आवाजाही रही।

नीलगंगा पड़ाव स्थल से संत-महात्मा नीलगंगा सरोवर तक गाजे-बाजे के साथ सिंहस्थ महापर्व पर निकलने वाली पेशवाई के रूप में पहुंचे। गंगा दशहरे के अवसर पर नीलगंगा तालाब पर सिंहस्थ की यादें ताजा हो गईं। यहां पर हर साल श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा द्वारा मां गंगा का पूजन किया जाता है। इस दौरान यहां होने वाले आयोजन में बड़ी संख्या में संत-महात्मा शामिल होते हैं।

प्राचीन नीलगंगा सरोवर का वर्णन स्कंद पुराण के अवंतिका खंड में आता है। मान्यता है कि इसी सरोवर में मां गंगा अवतरित हुई थीं। इसी महत्व के मद्देनजर गंगा दशहरे के अवसर पर पेशवाई व संतों का स्नान कराया जाता है। गुरुवार को नील गंगा परिसर से साधु-संतों की पेशवाई शुरू हुई, वैसे ही हजारों साधु-संत अपना प्रदर्शन दिखाने लगे। ढोल की थाप पर नागा साधुओं ने अपनी तलवार से प्रदर्शन किया, जिसने भी यह नजारा देखा, उसे सिंहस्थ कुंभ की पेशवाई याद आ गई। साधु-संतों को देखते ही सिंहस्थ की तरह निकलने वाली पेशवाई देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी यहां पहुंचे। संत-महंत निशान हाथ में लेकर बैंड-बाजे के साथ चले। वहीं, कुछ संत घोड़े पर सवार होकर हाथ में अस्त्र लिए थे। यहां पर स्थित नीलगंगा सरोवर में संतों ने स्नान किया। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में संतों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्रपुरी महाराज और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि महाराज विशेष रूप से मौजूद रहे।

उज्जैन की ऋतु परमार बनी नीमच की जिला कराते प्रमुख

उज्जैन रेलवे स्टेशन पर फूलमाला व ढोल नगाड़ों के साथ किया ऋतु परमार व पूरी टीम का शानदार स्वागत

उज्जैन। उज्जैन की ऋतु परमार (ब्लैक बेल्ट सेकंड डान किओ, इंटरनेशनल प्लेयर, नेशनल जज एंड रेफरी) नीमच जिला कराते प्रमुख बनी। लगभग 8 वर्षो के अथक प्रशिक्षण के पश्चात ऋतु ने यह उपलब्धि प्राप्त की। इस बीच कई प्रतियोगिताओ में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक हासिल किए।

ऋतु परमार ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे उनकी माता स्व. श्रीमति सावित्री परमार, पिताश्री मुकेश परमार जो पी.एच.ई. विभाग में दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्यरत है एवं गुरुजी रेंशी दुर्गेश कवरेती ब्लैक बेल्ट 4जी डान संभागीय कराते प्रमुख हैं, जिनके आशीर्वाद व मार्गदर्शन से संभव हुआ है। विगत दिनों कन्या शिक्षा परिसर छिंदवाड़ा में संचालित मध्य प्रदेश राज्य स्तर पुरुष एवं महिला कराते प्रशिक्षक कैम्प के दौरान वर्ल्ड कराटे फेडरेशन से संबद्ध नेशनल फेडरेशन कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन से मान्यता प्राप्त ÷सेल्फ डिफेंस स्कूल ऑफ़ इंडियन कराटे÷ की नेशनल ग्रेडेशन कमेटी द्वारा प्रदेश स्तरीय ब्लैक बेल्ट परीक्षा का भी आयोजन किया गया था। इंडिया हेड क्योशी राजेंद्र सिंह तोमर द्वारा कड़े प्रशिक्षण उपरांत प्रदेश के वरिष्ठ प्रशिक्षकों मे उज्जैन के सैंसेई दुर्गेराम कवरेती को ब्लैक बेल्ट 4 डान। महिला प्रशिक्षक में ब्लैक बेल्ट 2 डान किओ में उज्जैन की ऋतु परमार को उपाधि प्रदान की गई। ब्लैक बेल्ट प्रथम डान में प्रदेश के कुल 25 पुरुष एवं 35 महिला प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया।

बाल संस्कार शिविर में संस्कारों के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

उज्जैन। जितना जरूरी बच्चों में सदाचार, धर्म, चारित्रिक संस्कारों का विकास करना हैं उतना ही जरूरी उनको पर्यावरण संरक्षण की जानकारी होना भी हैं क्योंकि पर्यावरण की रक्षा आज के समय में हम सबकी महती आवश्यकता हैं जिसके लिए जानकारी, जागरूकता और समझ बच्चों को लौकिक संस्कारों के साथ ही देना जरूरी हैं। बाल संस्कार शिविर में बच्चों मे पर्यावरण की रक्षार्थ जागृति लाने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री शांतिनाथ जिनालय लक्ष्मी नगर में शिविर के बाल एवं युवा वर्ग ने

भारत विकास परिषद् क्षिप्रा ने किया 21 पौधों का रोपण

बच्चों ने किया मल्लखंब का प्रदर्शन

उज्जैन। भारत विकास परिषद् क्षिप्रा शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून गुरुवार को सिद्धवीर हनुमान मंदिर (हिरामिल रोड) जैन मंदिर के पास 21 पौधों का रोपण किया गया।

मुख्य अतिथि विजय केवलिया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत सामाजिक सद्भाव सहसंयोजक, मिथुन रत्नाकर नगर कार्यवाह विक्रमादित्य नगर, विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश गुप्ता रीजनल सेक्रेटरी (पर्यावरण), ईश्वर पटेल मार्गदर्शक, मध्य भारत पश्चिम प्रांत रहे। शाखा पालक राजेश पंड्या संरक्षक विजय सुराना, अध्यक्ष मुकेश लखवानी, सचिव अभिषेक गोयल, कोषाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, पर्यावरण प्रमुख नकुल गोयल की उपस्थिति में श्री वीर हनुमान मलखंब समिति के प्रशिक्षक चंकी रावत एवं रंजनजी द्वारा प्रशिक्षित बच्चों के द्वारा मल्लखंब का प्रदर्शन भी किया गया। संचालन सविता पटेल ने किया एवं आभार नकुल गोयल ने माना। इस दौरान मुक्तेश मनावत, अक्षत शर्मा, अल्पेश त्रिपाठी, उमेश राघवानी, जय जैन, प्रवीण सेठिया, सिद्धार्थ पटेल, देव पांडे कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति स्वरुप सरिता लखवानी, नेहा गोयल, कृतिका गुप्ता, अर्चना पांडे, पूनम लखवानी, जानवी सेठिया, निशिता शर्मा, रेखा राघवानी उपस्थित रहे।

अपंग आश्रम में पौधारोपण कर दूध, ब्रेड, फल का वितरण

उज्जैन। सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक शाहिद आबिद अली मीर ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस एवं पत्रकार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी एवं 1857 क्रांति के क्रांतिकारी अजीमुल्ला की स्मृति में पौधारोपण एवं दूध ब्रेड फल का वितरण अपंग आश्रम में किया गया।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के उप संयोजक सैयद उस्मान हसन एवं संयोजक हाजी इस्माइल रंगवाला ने बताया संस्था द्वारा अपंग आश्रम में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधारोपण किया गया एवं महान पत्रकार क्रांतिकारी गणेश शंकर विद्यार्थी, शाहिद अजीमुल्ला की स्मृति में आश्रम वासीयो को दूध ब्रेड फल का वितरण किया गया एवं शहीदों का स्मरण किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी विपिन सोल्पंखी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के अध्यक्ष एडवोकेट समीर खान, पार्षद पति अनवर नागोरी, आजम खान, मध्यप्रदेश हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी इकबाल हुसैन, रामू काका, शाकिर शेख सामाजिक कार्यकर्ता रईस अहमद ने क्रांतिकारी का स्मरण किया। समाजसेवी इकबाल उस्मानी ने सभी नागरिकों से पर्यावरण की रक्षा के लिए कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। जानकारी प्रचार सचिव चेतन ठक्कर, संयुक्त सचिव अनासीर मंसूरी ने दी।

पर्यावरण संरक्षण सामुहिक प्रयास से ही सम्भव है-संजय स्वामी

उज्जैन। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में परिसंवाद का आयोजन किया गया।

परिसंवाद को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के पर्यावरण आयाम के राष्ट्रीय संयोजक संजय स्वामी ने कहा कि पेड़ पौधों को लगाने से ज़्यादा जरूरी उनका संरक्षण है। पर्यावरण संरक्षण सामुहिक प्रयास से ही सम्भव है। दुनिया मे संतुलन बनाए रखने के लिए पर्यावरण का ठीक होना आवश्यक है। मालवा प्रांत के अध्यक्ष डॉ राकेश ढांड ने सम्बोधित करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया है। कार्यक्रम को डॉ राम मोहन शुक्ल, डॉ गीता नायक, डॉ प्रेम लता चुटेल, डॉ कीर्ति डीडी, डॉ हरीश व्यास, डॉ नीरज सारवान ने सम्बोधित किया। स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ हरीश व्यास ने दिया। संचालन डॉ दुर्गा शंकर सूर्यवंशी ने किया एवं आभार महानगर अध्यक्ष डॉ नीरज सारवान ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी, एवं न्यास के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। परिसंवाद के पूर्व परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com